

चिकित्सा प्रतिपूर्ति

वर्गक

- स्थायी/अस्थायी सरकारी सेवक तथा उन पर आश्रित परिवार के सदस्य उक्त सुविधा के लिये अर्ह हैं।
- उत्तराखण्ड राज्य के सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी/पारिवारिक पेंशनर तथा उन पर आश्रित परिवार के सदस्य भी उक्त सुविधा के लिये अर्ह हैं।

निम्नलिखित निकायों के सदस्यों को निम्नलिखित दरों पर चिकित्सा सुविधा प्रदान की जायेगी।

निम्नलिखित निकायों के सदस्यों को	निम्नलिखित दरों पर	चिकित्सा सुविधा
रु० 40,000 /—	राजकीय चिकित्सालय के अधीक्षक/मुख्य अधीक्षक तथा अशासकीय चिकित्सालयों से ईलाज के प्रकरण में राजकीय चिकित्सालय के सक्षम प्राधिकारी	कार्यालयाध्यक्ष
रु० 40,001 से रु० 1,00,000 /—तक	उपचार प्रदान करने वाले अथवा संदर्भित करने वाले राजकीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक।	विभागाध्यक्ष
रु० 1,00,001 से रु० 2,00,000 /—तक	कुमायूँ/गढ़वाल मण्डल हेतु अपने अपने मण्डल के अपर निदेशक कुमायूँ मण्डल चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों तथा उत्तराखण्ड सचिवालय, विधान सभा सचिवालय, राज्यपाल सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों हेतु निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य उत्तराखण्ड।	शासन के प्रशासकीय विभाग
रु० 2,00,001 /—से अधिक	—तदैव—	शासन के प्रशासकीय विभाग द्वारा चिकित्सा विभाग के परामर्श एवं वित्त विभाग की सहमति से।

फर्माई के वरिष्ठों के लिए %

- प्राक्कथित व्यय का 75%
- ₹0 2,00,000/- की सीमा तक अग्रिम को प्रशासकीय विभाग स्वीकृत करेगा।
- ₹0 2,00,000/- से अधिक के मामले में वित्त विभाग की सहमति से।
- स्वीकृत अग्रिम का समायोजन स्वीकृत होने की तिथि से 3 माह के अन्दर अथवा निरंतर उपचार होने की दशा में उपचार समाप्त होने के 3 माह के अन्दर अग्रिम का समायोजन किया जाना होगा।

इसके अलावा रफ्तार के साथ इसकी जांच की जाएगी; हरे हरे फर्माई के 0; ; के लिए रिपोर्ट देना; फलान्क:-

- प्रतिपूर्ति के दावे के साथ अनिवार्यता प्रमाण पत्र, आपतकालीन परिस्थितियों का प्रमाण पत्र तथा उपचार में हुए व्यय के बाउचर सम्बन्धित चिकित्सक/संस्था से प्रतिहस्ताक्षरित होने चाहिए।
- प्रतिपूर्ति का दावा उपचार आरम्भ होने की तिथि से 3 माह के अन्दर प्रस्तुत करना चाहिए।
- 03 माह की अवधि के पश्चात प्रस्तुत प्रतिपूर्ति के दावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

फर्माई के लिए रिपोर्ट के नकल के लिए आपको; दस्तावेजों के साथ फाइल में %

- समस्त/बिल बाउचर की मूल प्रतिलिपि संलग्न हों।
- समस्त बिल/बाउचर चिकित्सक द्वारा सत्यापित हों।
- अनिवार्यता प्रमाण-पत्र में रोगी का नाम, उपचार की अवधि तथा व्यय की गयी धनराशि अंकित हो तथा व्यय विवरण संलग्न हो।
- अनिवार्यता प्रमाण-पत्र में उल्लिखित उपचार अवधि के भीतर के तिथियों के ही बाउचर का भुगतान किया जायेगा।
- अनिवार्यता प्रमाण-पत्र उपचार करने वाले चिकित्सक द्वारा सत्यापित हों तथा सक्षम राजकीय चिकित्साधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित हो।